

असाधारगा EXTRAORDINARY

भाग II—सण्ड 3—उप-सण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं॰ 488]

नई बिल्ली, सोमबार, अक्तूबर 26, 1981/कार्तिक 4, 1903

No. 4881

NEW DELHI, MONDAY, OCTOBER 26, 1981/KARTIKA 4, 1903

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या की जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रक्षा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वाणिजय मंत्रालय

आवेश

नई दिस्ली, 26 प्रक्तूबर, 1981

आयात स्यापार नियम्बण

का० आ० 777(छ)/प० 31/81—आयात-निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम । 1947 (1947 का 18) के खण्ड-3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग भर केन्द्रीय सरकार एतवृद्वारा आयात (नियंत्रण) आवेश 1955 में झौर आगे संशोधन करने के लिए निम्नलिखित आवेश की रचना करती है, अधीन—

- 1- (1) इस आवेश का ग्रायान (नियत्रण) दूसरा संगोधन ग्रावेश,
 1981 की संज्ञा दी जाए।
- (2) यह आदेश सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तिथि से लागू होगी।
- 2. आयात (नियंत्रण) भादेश, 1955 (जिसे इसके बाद उसन आदेश कहा गया है) के अनुक्छेव-3-क और अनुक्छेव-11 के उप-प्रमुच्छेद (1) के उप-पैरा (च) भौर (ढ) में जहां भी "सीमा शुन्क ममाहर्ती" और समाहर्ती, सीमा शुन्क का उपयुक्त अधिकारी" शब्द हों, उनके स्थान पर "सीमा शृन्क का उपयुक्त अधिकारी" शब्द प्रतिस्थापित किये जायेगे।
 - 3. उनस भादेश के अनुक्छेद 6 के उप-अनुच्छेद (1) में,
 - (1) उप-पैरा (क) के अन्त में सब्द "मौर" हटा विया जायेगा;
 - (2) उप-पैरा (च) में गब्द "श्रीर" अन्त मे निविश्ट किया जायेगा:

- (3) उप-पैर। (च) के बाद निम्नलिखिन उर-दैर। निविष्ट किय। जायगा, मर्थात्—
- "(छ) यदि ग्रावेदक ग्रधिनियम के श्रन्तर्गत ग्रन्तिम रूप से लगत्ये गये किसी जुमित को चुकाने में श्रसफल रहता है।"
- 4. उक्त धावेश के धनु-छेद-८ के उन-प्रनुष्छेश (1) में "केन्द्रीय सरकार या मुख्य नियंत्रक, ध्रायात-निर्यात" शब्दों से धारम्भ होने वाले धीर "भारत का राज्य ध्यापार निगम" शब्दों से ममाप्त होने वाले भाग के लिये निम्नलिखित को प्रतिस्थापित किया जायेगा, ध्रयति ——

"केन्द्रीय सरकार या मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात लाइसेंसधारी या श्रायातक या श्रन्य किसी व्यक्ति को निम्निलिखित सभी के लिये या इनमें से किसी के लिये वंक्तित कर सकते हैं, श्रथींत्, माल का श्रयात करने से, लाइसेंस श्राप्त करने से, भारत के राज्य व्यापार निगम के माध्यम ने श्रायातित माल के श्रावंटन से"।

[मिसिन संख्या एनएम/र वर्ध-42/79]

MINISTRY OF COMMERCE

ORDER

New Delhi, the 26th October, 1981 IMPORT TRADE CONTROL

SO. 777(E)/No. 31/81.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports & Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby

makes the following order further to amend the Imports (Control) Order, 1955, namely:—

- 1. (1) This Order may be called the Imports (Control) Second Amendment Order, 1981.
- (2) It shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette.
- 2. In clause 3-A and sub-paragraph (f) and (n) of sub-clause (1) of clause 11 of the Imports (Control) Order, 1955 (hereinafter referred to as the said Order), for the words "Customs Collector" and "Collector of Customs", wherever they occur, the words "proper officer of Customs" shall be substituted.
 - 3. In sub-clause (1) of clause 6 of the said Order:
 - (i) the word "and" at the end of sub-paragraph (e) shall be omitted;
 - (ii) in sub-paragraph (f), the word "and" shall be inserted, at the end;
 - (iii) after sub-paragraph (f), the following sub-paragraph shall be inserted, namely :--
 - "(g) if the applicant fails to pay any penalty finally imposed on him under the Act."
- 4. In sub-clause (1) of clause 8 of the said Order, for the portion beginning with the words "The Central Government or the Chief Controller of Imports & Exports" and ending with the words "the State Trading Corporation of India", the following shall be substituted, namely:—

"The Central Government or the Chief Controller of Imports and Expo to may debar a licensee or importer or any other person from all or any of the following, i.e., importing any goods, receiving licences, or allotment of improted goods, through the State Trading Corporation of India."

[Issued from File No. LS/Ref. 42/79]

आवेश

निर्मात व्यापार नियत्रण

का० आ० 778 (अ)/सं० ई (सी) ओ, 1977/एएम (218) — भायात-निर्यात (नियन्नण) श्रीधनियम, 1947 (1947 का 18) के खण्ड-3 द्वारा प्रदत्त श्रीधकाशे का प्राांग कर केन्द्रीय मंग्कार एतद्-हारा निर्यात (नियन्नण) आदेश, 1977 में श्रीर पाने मंगोधन करते के लिये निम्नलिखित भादेश की रचना करती है, श्रर्थान —

- 1. (1) इस म्रावेश को निर्धात (नियन्नग) (उन्तरोभवा) समोधन म्रादेश, 1981 की सङ्गादी जाये।
- (2) यह प्रादेश सरकारी राज्यात में प्रकाशन की निधि में लाग् होगा।
- 2. निर्यात (नियक्षण) भादेण, 1977 (जिमे इनके बाद उक्त भादेश कहा गया है) के भ्रमुच्छेद-5 मे,——
- (1) उप-प्रमुच्छेद (थ) में "श्रीर" णब्द चन्त में सिंहः कियाँ जायेगः

- (2) उप-अनुक्छेद (थ) के बाद निस्नलिखिन उप-अनुक्छेर (द) निविष्ट किया जागेगा, अर्थात ---
- "(द) यदि आवेदक, अधिनियम के अन्तर्गत उस पर अस्तिम रूप से लगाये गये जुर्मान को चुकाने में प्रसक्तन रहता है ।"
- ए उनन भावेण के अनुच्छेद-7 के उन-प्रनुच्छेद (1) में "कल्कार सरकार या मुख्य नियंत्रक, आयाम-नियान" शब्दों से ब्रास्टन होत वाले और "कोई भी माल और" शब्दों से सनाइन होते जाते मान के निये निस्त लिखित शब्द प्रतिस्थापित किये जायेगे, प्रयोत --

"केर्क्रीय सरकार या मुख्य नियल्लक, प्राया।-निर्यात ल इसेसधारी या निर्यातक या किसी ग्रन्म व्यक्ति की निस्तितिक समा के लिये या इनमें से किसी के लिये यक्ति कर सकते है, प्रयीग नाइनेत प्राप्त करने या किसी मास को निर्यात करने से और"।

> [मिसिल मढ्या एलएस/सवर्ध-42/79] मणि नारायणस्वामी, मुख्य नियक्षक, श्रायात-निर्यात

ORDER

EXPORT TRADE CONTROL

- S.O. 778(E)/No. E(C)O, 1977/AM(218).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports & Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby makes the following order further to amend the Exports (Control) Order, 1977, namely:—
- 1. (1) This Order may be called the Exports (Control) twenty-ninth Amendment Order, 1981.
- (2) It shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette.
- 2. In clause 5 of the Exports (Control) Order, 1977 (heremafter referred to as the said Order),—
 - (i) in sub-clause (q) word "and" shall be inserted at the end;
 - (ii) after sub-clause (q), the following sub-clause shall be inserted, namely:—
 - "(r) if the applicant fails to pay any penalty finally imposed on him under the Act."
- 3. In sub-clause (1) of clause 7 of the said Order, for the portion beginning with words "The Central Government or the Chief Controller of Imports & Exports" and ending with the words "any goods and", the following shall be substituted, namely:—

"The Central Government or the Chief Controller of Imports & Exports may debar a licensee or exporter or any other person from all or any of the following, i.e., receiving the licences or from exporting any goods and."

[F. No. LS|Ref. 42|79]

MANI NARAYΛNSWAMI, Chief Controller of Imports and Exports